

उत्तरांचल शासन

वित्त अनुभाग-३

संख्या—/267 XXVII(3)प-पे/2004

देहरादूनःदिनांक 9 जून, 2004

कार्यालय—झाप

विषय: राज्य सरकार के कर्मचारियों /पेशनर्स के येतन/ पेशन में दिनांक 1.4.04 से 50 प्रतिशत मंहगाई भत्ता /मंहगाई राहत का मूल येतन/पेशन में विलय।

पॉच्चये केन्द्रीय येतन आयोग की रिपोर्ट के पैरा 105.11 की रारदृति के काम ये भारत सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों /पेशनर्स के मूल येतन में मंहगाई भत्ता का 50 प्रतिशत जोड़े जाने को निर्णय को उपरान्त राज्य सरकार द्वारा भी अपने बर्मेंधारियों /पेशनर्स के मूल येतन में मंहगाई भत्ता/ मंहगाई राहत का 50 प्रतिशत को जोड़े जाने का निर्णय लिया गया है।

2. अतः अधोहस्ताक्षरी यो यह कहने का निर्देश हुआ है कि दिनांक 1.4.2004 से राज्य सरकार के कर्मचारियों/पेशनर्स के मूल येतन में उनको मंहगाई भत्ता/मंहगाई राहत के 50 प्रतिशत के बराबर धनराशि को मूल येतन में विलय किये जाने की श्री राज्यपाल पांडित राज्य स्वीकृति प्रदान करते हैं। उनका विलय किये गये मंहगाई भत्तो को मंहगाई येतन (ली0पी0) के रूप में पृथक से प्रदर्शित किया जायेगा। मूल येतन में विलय किये गये उक्त मंहगाई भत्तो को शेयरनीयूटिशन दाता¹ राज्यान्वय भविष्य निधि औशतान एवं विभिन्न प्रकार के अप्रियों के लिए आयगिता किया जायेगा परन्तु जगतका यात्रा रुपिया, यात्रा भत्तों एवं रथानन्तरण के समय देख यात्रा भत्ता /ट्रैकिं भत्ता, यजामान किशान भत्ता, मूल येतन को ही आधार यातकर पूर्ति की भाँति देख उत्ता तथा इसमें मंहगाई येतन (ली0पी0) को जागिरित नहीं किया जायेगा। जिन बर्मेंधारियों को सरकारी आयास आवंटित हैं ऐसे प्रकरण में भी मूल येतन के आधार पर ही यजामान किशान पूर्ति की जाति येतन से काटा जायेगा।

3. राज्य सरकार ये पेशनर्स के प्रकरण में उनको यजामान पेशन में देय मंहगाई राहत के 50 प्रतिशत के बराबर यी धनराशि का विलय पेशन में देय किया जायेगा तथा इसे मंहगाई पेशन (ली0पी0) के रूप में अलग से प्रदर्शित किया जायेगा।

4. मंहगाई येतन /मंहगाई पेशन में परिवर्तित मंहगाई भत्ता/मंहगाई राहत क्रमशः मंहगाई भत्ता/मंहगाई राहत की पर्यामान दरों से काटा जायेगा(तदाहरणार्थ मंहगाई येतन के बारे दिनांक 1.4.2004 से 11 प्रतिशत मंहगाई भत्ता/राहत अनुमत्य होगा)।

5. यह सुनिश्चित करने के लिए कि दिनांक 1.4.2004 से 31.1.2005 को वीत सेवानियुक्त होने वाले पेशन भोगियों को पेशन निधारण में काई लाभि न हो, उनके यागले में विशेष व्यवस्था के रूप में, मूल येतन। यो 50 प्रतिशत के बराबर मंहगाई भत्तो को दिनांक 1.4.2004 से पूर्व उनको द्वारा प्राप्त मूल येतन के समर्पण में पेशन के परिकलन /आंकलन के प्रयोजनों हेतु मूल येतन के रूप में माना जायेगा। परिणाम स्वरूप मंहगाई पेशन का भाग केवल दिनांक 31.3.2004 तक राज्य सरकार से सेवा नियुक्त होने वाले पेशन भोगियों के लिए लागू होगा।

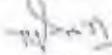
6. दिनांक 1.4.2004 अथवा उसके बाद यदि कोई येतन वृद्धि अथवा अन्य कारण से पेशन/पेशन में पुनरीष्टान देय होता है,ऐसी रिथर्टि में भी 50 प्रतिशत के बराबर मंहगाई येतन अनुमत्य होगा।

7. उक्त कार्यालय द्वारा सर्व कर्मचारियों के लिए लागू व्यवस्था के फलस्वरूप दिनांक 01 अप्रैल, 2004 से 30जून, 2004 तक की देय अवशेष धनराशि रामबनिधि अधिकारी/कमीतारी के गठिया निरि खाते में

जमा की जायेगी। यदि कोई अधिकारी/कमीतारी गठिया निरि का रातरा नहीं है तो उसी रातरा अवशेष धनराशि रास्तीय बचत पत्र के रूप में दी जायेगी, भरन्तु धनराशि के गिरा आश का स्टॉकिंग लालका हो, वह नकद दी जायेगी। जो कभी उक्त कार्यालय द्वारा निरि द्वारा दी गाह में अन्दर शेवा गिरत हो रहा है, को उक्त अवशेष धनराशि का नकद भुगतान किया जायेगा।

8. आय व्ययक में महेंगाई वेतन/राहत को पृथक से पदशित किया जाना है जहाँ बजट प्राप्तियान के संपरान्त धनराशि के आवंटन एवं भुगतान की प्रक्रिया के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा अलग री आवश्यक निर्देश निर्गत किये जायेंगे।

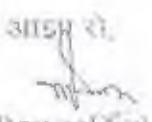
9. सरकार द्वारा सहायता प्राप्त शिक्षण/प्राप्तियान शिक्षण राज्यालों से जाह भूमि से पूर्णतया सरकारी कर्मचारियों की भाति महेंगाई भरता/राहत देता है ऐसी राज्यालों में भी महेंगाई वेतन/राहत की प्रक्रिया संपरोक्त शातों के अधीन ही लागू की जायेगी।


वी०एन०र०स०
आपर समिति

संख्या—1267 XXVIII(अ)-प/2004, दिनांक : १३ जून 2004

प्रतिलिपि निम्नलिखित को रूपनाथ एवं आवश्यक कामीतारी द्वारा प्रोत्तित:

1. समरत प्रमुख राधिय/राधिय, उत्तरांशल प्राप्ति।
2. समरत विभागाध्यक्ष/कामीत्याध्यक्ष, उत्तरांशल।
3. सधिय, सारथपाल भट्टेश्वर, उत्तरांशल देवरामपुर।
4. सधिय, विधान राजा, उत्तरांशल देवरामपुर।
5. भूगोलनिवंधक, उत्तर न्यायालय, उत्तरांशल, नैनीताल।
6. निदेशक, लेखा एवं हक्कारी, उत्तरांशल, देवरामपुर।
7. निदेशक, कोपागार एवं वित्त रोपायी, उत्तरांशल।
8. क्षेत्रीय अपर निदेशक, कोपागार एवं ऐशन, गढ़वाल/गुप्तजगदल।
9. मठीस्त्राकार, उत्तरांशल, आकराय गवान, रामरामपुर दीर्घ, गढ़वाल, देवरामपुर को रूपनाथ एवं 50 अधिकारी प्रतियों इता आशय से प्रोत्तित निरि राजा के बाहर के लेहा प्राप्तिकारी तो इसकी प्रतियों लालका कराने का काट करें।
10. रिजनल प्रगिकेन्ट, पाठ्य कमीशन-रक्षा-प्रूफ/देवरामपुर।
11. रामरत घरिष्ठ कोपाधिकारी, उत्तरांशल।
12. वित्त अधिकारी/चूल—राधिय, समरता साक्ष निष्ठावित्यालय, उत्तरांशल।
13. उप-निदेशक, राजनीति युद्धालय, रुद्रनगर गोदा इता आशय के साथ प्रोत्तित निरि गृहाया इता आशय एवं 500 प्रतियों द्वारा कराने के लिया गया तो इसकी वित्त अधिकारी कराने का नाम नामे।
14. निदेशक, एन०आई०र००, देवरामपुर।


(वी०एन०र०स०)
आपर समिति